हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

प्रभात खबर

अखबार नहीं आंदोलन

कोलकाता, 18 दिसंबर, 2009 (पौष शुक्ल 2 संवत 2066) कोलकाता, रांची, पटना, जमशेदपुर, धनबाद, देवघर और सिलीगुड़ी से एक साथ प्रकाशित www

एफसीबीएम ने करुगेटेडबॉक्स से एक्साइज ड्यूटी घटाने की मांग की

कोलकाता : लघु क्षेत्र की ईकाई द फेडरेशन ऑफ करुगेटेड बॉक्स मैनुफेक्चरर्स ऑफ इंडिया (एफसीबीएम) ने केंद्र सरकार से करुगेटेड बॉक्स से अबकारी शुल्क में कटौती करने की मांग की है. फेडरेशन के उपाध्यक्ष राम गोपाल अग्रवाल ने एफसीबीएम के 38 वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान कोलकाता के एक अग्रणी होटल में कहा कि भारी एक्साइज ड्यूटी के कारण करुगेटे बॉक्स निमार्ताओं को भारी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि पेपर पर शून्य से चार प्रतिशत तक एक्साइज ड्यूटी है. जबकि करुगेटेड बॉक्स पर मौजूदा हाल में 8 प्रतिशत अबकारी शुल्क चुकाना पड़ता है. जिसकी वजह से करुगेटेड बॉक्स की कीमत घटा पाना मुश्किल हो रहा है. इसके साथ करुगेटेड बॉक्स निमार्ताओं को अंतरराष्ट्रीय और घरेलु बाजार में बड़ी प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि फेडरेशन ने केंद्र सरकार से करुगेटेड बॉक्स से एक्साइज ड्यटी में चार प्रतिशत कटौती करने की मांग की है. सेमीनार 18 से तीन दिन तक आइटीसी सोनार में बांग्ला में चलेगा. सेमीनार का आयोजन इर्स्टन इंडिया करुगेटेड बॉक्स मैनुफेक्चर्स एसोसिएशन की ओर से किया गया है. सेमीनार में 700 से अधिक देशी, विदेशी प्रतिनिधि मंडल भाग लेंगे. इस मौके पर एफसीबीएम के अध्यक्ष अनिल रेड्डी ने बताया कि देश में एफसीबीएम के 12 क्षेत्रीय एसोसिएशन हैं. जल्द इस एसोसिएशन में असम और अरुणचल प्रदश के शामिल होने से इसकी संख्या 14 हो जायेगी. उन्होंने बताया कि देश में दो हजार करुगेटेड बॉक्स निर्माता ईकाईयां है. उन्होंने बताया कि करुगेटेड बॉक्स निर्माता इंकाईयां पेपर कपनियों से सलाना 33 लाख टन क्राफ्ट पेपर खरीदती है. उन्होंने बताया कि करुगेटेड बॉक्स का अधिकतर तौर पर फल और खाद्य पदार्थों सहित अन्य उद्योग में भारी मात्रा में पैकेजिंग के काम में उपयोग किया जा रहा है. उन्होंने करुगेटेड बॉक्स के गुणवत्ता बढ़ाने के साथ उसकी कीमत पर विशेष प्राथमिकता देने की बात कहीं.